देही-अभिमानी बच्चे को ही बाप से करंट मिलती
बुद्धि- योग एक बाप से लगा रहे तो करंट मिलती रहेगी
अशांति फैलाना है आसुरी स्वभाव
अशांति वालो से सब होते तंग
तभी शान्ति का भगवान् से मांगते वर
पढ़ाई में है कमाई तो खुशी-खुशी करनी
पॉइंट्स नोट कर धारणा करनी
पवित्र बन, बाप के प्यार का बनना अधिकारी
अन्तर्मुखी होता सदा सुखी
सुखदाता के बच्चे सुखों के खज़ाने लुटाते
अन्तर्मुखी ही संपन्न मूर्ति होते
कोई किसी भी भावना से आये
बाप समान भरपूर कर भरतु जाये
अभिमान की फीलिंग से बचो
जब रूहानी शान में रहो

ॐ शांति
मेरा बाबा